135/19

खंड—3 संख्या—2

बिहार विधान-सभा वादवृत्त

[भाग—1 कार्यवाही प्रश्नोत्तर]

शुक्रवार, तिथि 13 मार्च, 1981 ।

विषय-सूची

पृष्ठ

विधान-सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन की नियमावली के नियम 4 (II) के परन्तुक के अन्तर्गत सभा मेज पर रखे गये प्रश्नों के लिखित उत्तर :

प्रश्नों के मौखिक उत्तर :

तारांकित प्रश्नोत्तर संख्या 9, 3, 4, 5, 6, 7, 8 (पूरक के लिए स्थगित), 9 एवं 10 1-22

अतारांकित प्रश्नोत्तर संख्या 17, 37, 97, 99 22-25

परिशिष्ट (1) प्रश्नों के लिखित उत्तर ... 26-57

परिशिष्ट (2) (प्रश्नों के लिखित उत्तर) 58-120

वैधिक विधान 121

टिप्पणी :—किन्हीं भी मंत्रियों एवं सदस्यों ने अपने भाषण संशोधित नहीं किये ।

श्री घनश्याम सिंह—(1) उत्तर आंशिक रूप से स्वीकारात्मक हैं।

(2) उक्त ग्रामों के ग्रामीणों के पुनर्वास के लिए भू-अर्जन एवं स्थल चयन की कारंवाई की जा रही है।

नहर का कमांड रकवा की जानकारी।

43. श्री जीतन राम मांझी या मुख्य मन्त्री यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—क्या यह बात सही है कि 30 लाख रुपये की लागत से गया जिलान्तर्गत फल्गु नदी से खिजर सराय प्रखंड की सिंचाई के लिए महमूदा ब्रांच नहर का काम क्रमशः पूरा किया गया है, यदि हाँ तो उक्त नहर का कमांड रकवा कितना है एवं कितनी जमीन की सिंचाई अभी तक हो रही है ?

डा० जगन्नाथ मिश्र, मुख्य मन्त्री—महमूदा सिंचाई परियोजना का अध्ययन व्यय 29-62 लाख रुपये है। मिट्टी का काम लगभग पूरा हो चूका है। संरचना का काम मुख्यतः बाकी है। इस परियोजना का कूल कमांड क्षेत्र 2000 हेक्टेयर है जिसमेंसे 400 हेक्टेयर में सिंचाई कार्य वर्ष 1980 के खरीफ में किया गया है।

योजना का कार्यान्वयन।

44. श्री जीतन राम मांझी—क्या मंत्री, सिंचाई विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि तिलैया डायवर्सन योजना अन्तर्गत ढाढ़र नदी पर बांध बांध कर नहर द्वारा गया जिला के उत्तरी, वजीरगंज एवं फतेहपुर प्रखंड को सिंचाई सुविधा देने की योजना 1974-75 में स्वीकृति हुई है;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त योजना कार्य का बंटवारा मुख्य अभियंता, सिंचाई, राँची को पक्का काम करने एवं मुख्य अभियंता, सिंचाई पटना को नहर खोदने का भार सौंपा गया है;

(3) क्या यह बात सही है कि अभी तक उक्त दोनों मुख्य अभियंताओं द्वारा कार्य शुरू नहीं किया गया है;

(4) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार लम्बित योजना का कार्यान्वयन शीघ्र करना चाहती, यदि नहीं, तो क्यों ?